4-3-67 ओम शान्ती रात्री क्लास

मीठे-2 बच्चे इस (बाबा) सहित्। क्यों कि शिव तो अलग है नां। शिव बाबा सबको कहते है जो भी देहधारी सबकी दिल लेने वाला हूं। बच्चों की दिल लेने वाला हूं। बहुत करके मनुष्य सुखशान्ती मांगते है, चाहते है। तुम बच्चों को सुख भी मिलता है शान्ती भी मिलती है। तुम बच्चे जानते हो कि शिव बाबा कल्प-2 आते है सदा सुखी बनाने। पवित्रता सुख सम्पती सब कुछ देने आये है 21 जन्मों के लिये। कल्प-2 संगम युग पर बाबा आते है। पवित्रता सिखा रहे है। सो भी बहुत सहज। विकार के लिये ही दुनियां में बहुत मारा मारी है। कई ऐसी स्वरूपवान सखायें भी बहुत तंग करती है। ऐसी रिपोर्टस भी बहुत आती है। बाप को याद करना है। कोई माथा नही टेकना है। यह भी कहते है मैं बाबा को बहुत याद करता हूं। बच्चों को भी सर्विस यही पुरुषार्थ सिखाते है कि ऐसे-2 मोस्ट बिलवेड् बाप को अच्छी रीती याद करो। बाप आते भी इस तन में है। यह त्रिमूर्ती बदल नही सकती है। तुम बच्चे जानते हो कि बाप आये है हम बच्चों को वापस ले जाने लिये। यहां यह शरीर तमोप्रधान 5 तत्वों का बना हुआ है। इसको यही छोड़ जाना है। बाप आकर धीरज देते है कि तुमको मैं साथ ले जाने आया हूं। शिव बाबा को तो खांसी नही होती है नां। उनके आत्मा को होती है फिर भी खुशी तो रहती ही है् नां। यह कर्म भोगती रहेंगे। बाकी थोड़े ही दिन है। आधा कल्प के सभी दुःखों से अभी हम छूटते है। सब दुःखों से छूटने की एक ही दवा है। एक ही अमृतधारा होता है नां। तुमको अभी बाप से ज्ञान अमृतधारा देते है जिससे सभी दुःख छूट जावेंगे। बाप ही आकर हमको राज योग सिखाते है। बाप को याद करने में माया विघ्न बहुत डालती है। भक्ति मार्ग में कितनी चरपाईं लगी हुई है। यहां तो भक्ति मार्ग की कोई बात ही नहीं है। तुम जानते हो बाबा बाप भी है, आये है वर्सा देने लिये। कल्प-2 शिव जयन्ती भी आती है। उनका पटि कल्प-2 का नामी ग्रामी है। त्योहार सभी अभी के है। बाप आकर रावण को सदा के लिये खलास कर देते है। सत, त्रेता में रावण होता ही नही है। एक-2 बात जो कोई भी तुमको समझाई जाती है यह कोई भी शास्त्रों में नही है। तुम बच्चे जानते हो शिव बाबा ने ब्रह्मा द्वारा हम बच्चों को गोद में लिया है। खुशी से गोद में जाते हो। तुम बच्चे ही समझते हो कि बाबा हमको बहुत शाहुकार बनाने वाला है। उसकी ही गोद ली है। बाबा विश्व का मालिक बनाते है् नां। तुम बच्चों की यह देखते हुये भी बुद्धि बाप की तरफ तथा वर्से की तरफ लगी हुई है। तुम सब श्रीमत पर नई दुनियां की स्थापना कर रहे हो। जितने जास्ती रूहानी सर्विस करावेंगे उतना ही जास्ती पद पावेंगे। जांच करनी होती है कि मेरे में कोई अवगुण तो नही है? अब तुम संगम युग पर बैठे हो। अभी के ही पुरुषार्थ अनुसार ही फिर सतयुग में पद पावेंगे। बहुत मीठा बनना है। कोई को तंग नही करना है। रोज अपना पोतामेल देखो कि कोई को दुःख तो नही दिया है। कोई बुरा काम तो नही किया है। जितना पुरुषार्थ का चार्ट रखवेंगे उतना ही उन्नती को पावेंगे। तुम बच्चों को दैवी गुण धारण करने है क्यों कि तुम जानते हो कि तुमको ऐसा (ल-न) बनना है। अगर कोई को धन है तो हेल्थ नही है तो तो भी कोई काम का नही है। किसको हेल्थ है् वेल्थ नही है तो भी कोई काम का नही है। मनुष्य दान पुण्य करते है् एक जन्म के लिये। यहां तुमको 21 जन्मों के लिये मिलता है। मैं तुमको युक्ति बताता हूं किसी सफल करो। अब ही तुम्हारे पैसे सफल होंगे। इस बाबा ने भी क्या किया? सब कुछ दे दिया। रिटर्न में विश्व की बादशाही मिलती है्। तो फालो करना चाहिये नां। बाबा कोई अपने लिये महल आदि थोड़ेही बनावेते है। जो कुछ भी है बच्चों के लिये है। कल्प-2 यह राजधानी स्थापन होती है। इनको कोई साकार गुरू नही है जो इनको यह सिखाता हो। यह तो बाप आकर खुद सिखाते है। भगवानोवाच् बच्चों प्रति। तुमको सुनाता हूं। हम भी सुन लेते है्। पहले तो तुम सुनते हो यां हम? निमित्त बने है इन द्वारा तुमको सुनाने के। तो मैं सुन लेता हूं क्यों कि नजदीक हूं। ओम। आगे 10 ता. प्रातः क्लास की जगह रात्री क्लास लिखा हुआ था। भूली पहले की तरह ठीक कर दिया गया है।